

दर्द हमेशा क्षणभंगुर होता है, लेकिन लड़ाई से भागना आपको जीवन भर के लिए दर्द दे सकता है।

जिले एवं तहसीलों में
संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

दण्ड क्या है एवं दंड कितने प्रकार के होते हैं जानिए/legal advice...

दण्ड एक प्रकार का सजा या दंड है जो किसी व्यक्ति को उसके अपराध या गलत काम के लिए दिया जाता है। दण्ड का उद्देश्य अपराधी को सजा देना और समाज को सुरक्षित बनाना है। एक आरोपी को सिविल और आपराधिक दंड निम्न स्थितियों में दिया जा सकता है-

सिविल दंड-

1. संविदा के उल्लंघन- यदि आरोपी ने किसी संविदा का उल्लंघन किया है, तो उसे सिविल दंड दिया जा सकता है।
2. दायित्व के उल्लंघन- यदि आरोपी ने किसी दायित्व का उल्लंघन किया है, तो उसे सिविल दंड दिया जा सकता है।
3. संपत्ति के नुकसान- यदि आरोपी ने किसी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, तो उसे सिविल दंड दिया जा सकता है।

आपराधिक दंड-

1. अपराध का आरोप- यदि आरोपी पर अपराध का आरोप लगाया गया है, तो उसे आपराधिक दंड दिया जा सकता है।
2. अपराध का साबित होना- यदि आरोपी पर अपराध का आरोप साबित हो जाता है, तो उसे आपराधिक दंड दिया जा सकता है।
3. अपराध की गंभीरता- यदि अपराध की गंभीरता अधिक है, तो आरोपी को आपराधिक दंड दिया जा सकता है।

दोनों दंड एक साथ दिया जाना-

1. सिविल और आपराधिक मामले- यदि आरोपी पर सिविल और आपराधिक दोनों मामले चल रहे हैं, तो उसे दोनों दंड एक साथ दिए जा सकते हैं।
2. अपराध की गंभीरता- यदि अपराध की गंभीरता अधिक है, तो आरोपी को दोनों दंड एक साथ दिए जा सकते हैं।

दंड के प्रकार निम्न हैं-

1. कारावास- यह दंड अपराधी को जेल में रखने के लिए दिया जाता है।
2. जुर्माना- यह दंड अपराधी को पैसे के रूप में देना पड़ता है।
3. मृत्युदंड- यह दंड अपराधी को मृत्यु की सजा देने के लिए दिया जाता है।
4. निर्वासन- यह दंड अपराधी को देश से बाहर निकालने के लिए दिया जाता है।
5. सामाजिक सेवा- यह दंड अपराधी को समाज के लिए काम करने के लिए दिया जाता है।
6. पुनर्वास- यह दंड अपराधी को सुधारने और उसे समाज में फिर से स्थापित करने के लिए दिया जाता है।
7. निगरानी- यह दंड अपराधी को निगरानी में रखने के लिए दिया जाता है।
8. पैरोल- यह दंड अपराधी को जेल से बाहर निकालने के लिए दिया जाता है, लेकिन उसे निगरानी में रखने के लिए।

BNS -व्यक्ति को निजी प्रतिरक्षा का अधिकार कब प्राप्त नहीं होगा जानिए-

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 34 में भारतीय नागरिकों को प्राइवेट प्रतिरक्षा का कानूनी अधिकार दिया गया है व्यक्ति अपने बचाव के लिए हमलावर की हत्या तक कर सकता है ,

परन्तु इस अधिकार की दो सीमाएँ है -

1. ऐसे किसी कार्य के लिए इसका प्रयोग उचित नहीं होगा जो बचाव न होकर निश्चित रूप से एक अपराध है।
2. यदि किसी व्यक्ति ने स्वयं आक्रमण किया हो और वह अपने बचाव में प्रतिरक्षा के अधिकार का तर्क प्रस्तुत नहीं कर सकता है।

इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण जजमेंट जानिए-

1. भंवर सिंह तथा अन्य बनाम मध्यप्रदेश राज्य - मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभिनिर्धारित किया कि निजी प्रतिरक्षा का अधिकार व्यक्ति को स्वयं आपराधिक दायित्व से बचाने के लिए प्राप्त है, न कि आक्रमक का अधिकार है और न प्रत्याघात के दृ जहा स्वयं की जान-माल को कोई खतरा नहीं है वहाँ निजी प्रतिरक्षा का अधिकार नहीं होगा।
2. कश्मीरी लाल बनाम पंजाब राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभिनिर्धारित किया गया कि व्यक्ति जो स्वयं आक्रमक हो और दूसरे व्यक्ति पर विधि विरुद्ध हमला करता हो तो उसे प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार प्राप्त नहीं होगा।
कुलमिलाकर कहे तो कोई व्यक्ति जो स्वयं आक्रमण करता है वह प्रतिरक्षा के कानून के अंतर्गत बचाव नहीं मांग सकता है।
●लेखक बीआर अहिरवार
(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष-2025 के शासकीय कैलेंडर का विमोचन किया



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025 के शासकीय कैलेंडर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय कैलेंडर में संयोजित की गई विषय-वस्तु और इसके आकल्पन की प्रशंसा की। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर सचिव एवं नियंत्रक शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय श्री चंद्रशेखर वालिंबे सहित केन्द्रीय मुद्रणालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती शर्मा के स्वास्थ्य का हालचाल जाना

नर्मदा अस्पताल में भर्ती मरीजों से चर्चा भी की



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार शाम भोपाल के नर्मदा अस्पताल पहुंचकर वरिष्ठ नेता श्री शैलेन्द्र शर्मा की माता जी और पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मी नारायण शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी शर्मा के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल के चिकित्सकों से श्रीमती शर्मा के बेहतर उपचार के संबंध में चर्चा की। उन्होंने श्रीमती शर्मा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल में दाखिल अन्य रोगियों और उनके परिजन से भी चर्चा कर चिकित्सकों को उपचार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गुना जिले से चार धाम यात्रा पर गए श्रद्धालुओं में से दुर्घटना में घायल और अस्पताल में भर्ती होकर उपचाररत श्रद्धालु को भी समुचित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के निर्देश डॉक्टर्स को दिये।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

35 प्रदेशों के प्रतिभागी हुए शामिल

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने गुरुवार को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। यह प्रतियोगिता स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं लोक शिक्षण संचालनालय के संयुक्त तत्वाधान में 2 जनवरी से 7 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में 35 प्रदेशों के लगभग 1391 छात्र हॉकी एवं शूटिंग खेलों में भाग लेंगे। मंत्री श्री सिंह ने प्रतिभागियों, उनके पालकों एवं प्रशिक्षकों का मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की विविधता को दर्शाता है। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, पहनावे एवं धार्मिक मान्यताओं का संगम हुआ है। श्री सिंह ने कहा कि खेल में जीत महत्वपूर्ण है, लेकिन पराजय के बाद पूरी तैयारी और नई चुनौती के साथ आगे बढ़ना ही असली खेल भावना है। उन्होंने कहा कि विजेता को बधाई मिलनी चाहिए, लेकिन हारने वाले भी अगली बार के लिए मेहनत करें तो जीत सुनिश्चित होगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भोपाल को हॉकी की राजधानी कहा जाना उचित होगा क्योंकि यहां से कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।



मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की

विद्यार्थियों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि वर्ष 2024-25 के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार सभी पात्र नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता एवं प्रवेश प्रक्रिया को 15 जनवरी तक पूर्ण किया जाए। जीएनएम, बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया को समयावधि में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निवास कार्यालय में मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन एवं काउंसिल की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की और कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर 2024 से काउंसिलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ हो



चुकी है, जो 14 जनवरी 2025 को संपन्न की जाएगी। सभी शासकीय एवं अशासकीय नर्सिंग कॉलेजों के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग की व्यवस्था लागू की गयी है। संचालक लोक स्वास्थ्य

एवं चिकित्सा शिक्षा (नर्सिंग एवं पैरामेडिकल) श्री मनोज सरियाम, रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिलिंग श्री के.के. रावत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

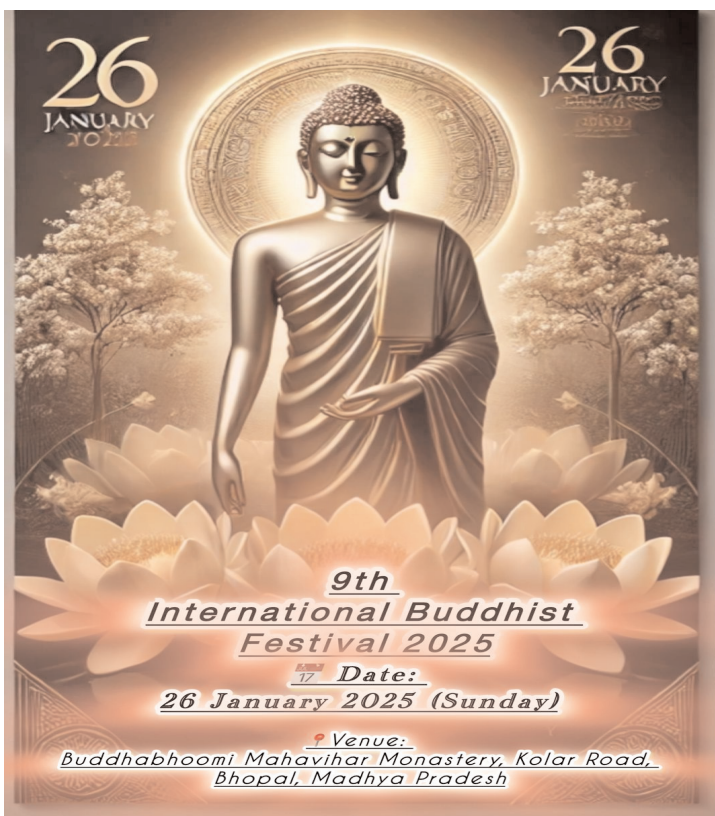


सड़क में नाली या नाली में सड़क , हो चुकी है कई दुर्घटनाएं आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित....

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल - ग्राम अमझोर के वार्ड क्रमांक 8 में सार्वजनिक हित के लिए हैंडपंप का निर्माण कराया गया था , जिससे लोगों को पीने का पानी आसानी से उपलब्ध हो सके परंतु हैंडपंप से निकलने वाले पानी की व्यवस्था सही ढंग से नहीं होने के कारण वहां के रहवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण आज लोगों को सड़क पर चलना दूभर हो गया है। ऐसा नहीं है की नाली की व्यवस्था नहीं की गई थी परंतु ठेके के चक्कर में ठेकेदारों ने गहरी नाली का निर्माण करा दिया गया था जहां गहरे नाली की जरूरत नहीं थी , कमिशन के चक्कर में ठेकेदार अपना फायदा देखते हैं। पानी का भराव होने से नाली का पानी में जमाव होने से मच्छर,मकखी के बढ़ने से बदबू के कारण व नाली का सही रख रखाव ना होने के कारण नाली में मिट्टी का भराव होने से नालियां बंद हो गई और हैंडपंप का पानी सड़कों पर होकर मोहल्ले में फैलने लगा आए दिन कई बार लोग देर सवेर नाली के गंदे पानी से होकर आने जाने पर मजबूर है , कई दुर्घटनाएं हो चुकी है , लोगों का आक्रोश पंचायत के पदाधिकारियों पर बना हुआ है। शिकायत पंचायत स्तर से लेकर सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी जारी है समस्या का स्थाई समाधान आवश्यक है नहीं तो आए दिन किसी भी बड़ी घटना की संभावना बनी हुई है समझ में नहीं आ रहा है सड़क में नाली है या नाली में सड़क....

9वां अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव 2025



दिनांक- 26 जनवरी 2025 (रविवार)

समय- दोपहर 02 बजे से

स्थान- बुद्धभूमि महाविहार, चुनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश
करुणा, शांति और ज्ञान का यह पावन पर्व आपके सान्निध्य के बिना अधूरा है। आपका तन, मन और धन से दिया गया सहयोग इस महोत्सव को और भी सफल, भावनात्मक और प्रेरणादायक बनाएगा।

आपसे विनम्र आग्रह है कि अपने परिवार सहित इस महोत्सव में सम्मिलित होकर इसे अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सार्थक और स्मरणीय बनाएं।

9वां अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव 2025??

दिनांक- 26 जनवरी 2025 (रविवार)

समय- दोपहर 02 बजे से

स्थान- बुद्धभूमि महाविहार, चुनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश
करुणा, शांति और ज्ञान का यह पावन पर्व आपके सान्निध्य के बिना अधूरा है। आपका तन, मन और धन से दिया गया सहयोग इस महोत्सव को और भी सफल, भावनात्मक और प्रेरणादायक बनाएगा।

आपसे विनम्र आग्रह है कि अपने परिवार सहित इस महोत्सव में सम्मिलित होकर इसे अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सार्थक और स्मरणीय बनाएं।

आइए, मिलकर बुद्ध के करुणा और शांति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएँ और इस आयोजन को सफलतम क्षणों का साक्षी बनाएं।

आइए, मिलकर बुद्ध के करुणा और शांति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएँ और इस आयोजन को सफलतम क्षणों का साक्षी बनाएं।

नववर्ष मनाने पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश शराबी तत्वों एवं हुड़दंग बाजियों पर पुलिस की रहेगी नजर

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ

अनूपपुर मध्य प्रदेश

अनूपपुर। जिले भर में नववर्ष 2025 हर्षषोलास के साथ शांति पूर्ण तरीके से मनाए जाने के लिए पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी ने आमजनों के लिए निर्देश जारी किए हैं। जहां जश्न मनाने के लिए आमजनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। जिसके लिए एसपी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में चौकस बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने कई बिन्दुओं पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस दौरान नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं, जिनमें सभी आयोजकों के निर्धारित समय तक आयोजित कार्यक्रम स्वयं बंद करने, सभी आयोजक डीजे एवं लाउडस्पीकर का उपयोग सुप्रीम कोर्ट एवं शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार सुनिश्चित करने, नववर्ष की पूर्व संध्या पर पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर चेकिंग एवं पेट्रोलिंग कर नशे में वाहन चलाने वाले, तेज रफ्तार वाहन चलाने वाले



चालको के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही किए जाने, शराबी तत्वों द्वारा शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों एवं मार्गों पर की जाने वाली हुड़दंग बाजी और गतिविधियों को नियंत्रित करे के उद्देश्य से भीड़भाड़ इलाके में चौकस बढ़ाए जाने, नववर्ष के उपलक्ष्य पर जिला अंतर्गत संचालित होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों पर निगरानी रखने के साथ असामाजिक तत्वों की प्रत्येक गतिविधियों पर पैनी नजर रखने, किसी भी आयोजन के संबंध में पूर्व से संबंधित कार्यपालिक मजिस्ट्रेट से अनुमति प्राप्त कर निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित करने के साथ ही नववर्ष के उपलक्ष्य में अफवाहों पर ध्यान न देने और यदि कोई अफवाह फैलती है तो

उसकी सूचना तुरंत पुलिस को देने संबंधी निर्देश जारी किए हैं। उन्होने बताया है कि पुलिस सोशल मीडिया पर पैनी नजर बनी हुई है। नववर्ष की आड़ में असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। एसपी मोतीउर रहमान ने अपील की है कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही आयोजनकर्ता कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करे अगर किसी भी व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन करते पाया गया तो कार्यवाही की जाएगी।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने 'शक्ति दीदी' के रूप में जिला प्रशासन की पहल

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ग्वालियर जिले में 'शक्ति दीदी' के नाम से जिला प्रशासन द्वारा यह प्रेरणादायी पहल की गई है। जिन महिलाओं को 'शक्ति दीदी' के रूप में फ्यूल वर्कर के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया गया है, वे ऐसी महिलायें हैं जो अपनों द्वारा उपेक्षित हैं अथवा जिनके पति का असमय निधन हो चुका है। पेट्रोल पंप संचालकों ने इस सराहनीय पहल में सहयोग करने का भरोसा दिलाया और कहा कि वे अपने पेट्रोल पंपों पर शक्ति दीदी के रूप में अन्य जरूरतमंद महिलाओं को भी रोजगार देंगे। ग्वालियर शहर के पाँच व्यस्ततम पेट्रोल पंपों पर नए साल के दूसरे दिन गुरुवार को पाँच महिलाओं ने 'शक्ति दीदी' के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाला। ग्वालियर के पड़व आरओबी के समीप स्थित वैश्य एण्ड मुखर्जी पेट्रोल पंप पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन

अधिकारी श्री विवेक कुमार ने श्रीमती जयश्री हालदार को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह संस्कृति पेट्रोल पंप न्यू कलेक्ट्रेट पर अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने श्रीमती रानी शाक्य, दर्शन फ्यूल स्टेशन पिंटो पार्क पर अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने श्रीमती प्रीति माझी एवं साई राम पेट्रोल पंप चेतकपुरी पर एडीएम श्री टी.एन. सिंह ने श्रीमती निशा परिहार का स्वागत कर उन्हें शक्ति दीदी का दायित्व सौंपा। महिला फ्यूल वर्कर के रूप में तैनात शक्ति दीदी की ड्यूटी की अवधि प्रातः 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक रहेगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सुविधा पेट्रोल पंप की 'शक्ति दीदी' श्रीमती मीना जाटव का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। जिला प्रशासन सहयोग के लिये सदैव तत्पर रहेगा। साथ ही पुलिस के सहयोग से आपकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जायेगा।

भोपाल के सामाजिक संगठनों द्वारा केन्द्रीय कृषि मंत्री के साथ पौधारोपण किया गया



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

रविवार को राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक संगठनराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो की भोपाल कार्यकारिणी द्वारा संगठन के प्रदेश सचिव तल्हा बिन आरिफ एवं प्रदेश सचिव मनोज सोलंकी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में विशेष रूप से राष्ट्रीय

मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो भोपाल के जिला अध्यक्ष लकी सिंह नेगी, मुस्कान वेलफेयर के संस्थापक गौरव जैन, लायंस क्लब-भोपाल के सीईओ विजय अय्यर, अपने जीवन में कई बार रक्तदान करने वाले रक्तदाता अनिकेत किरार, अनन्या मिश्रा, एडवोकेट प्रज्ञा साहू, अविनाश जोशी एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता व सदस्य उपस्थित रहे। पौधारोपण कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कराते खिलाड़ी एवं कॉमनवेल्थ विजेता अनुज गोस्वामी भी उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ज्ञान चन्द शर्मा बालाघाट लालबर्वा थाना क्षेत्र में सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोहगाँव धपेरा में नंदकिशोर पिता फूलचंद दशरिए से गाली-गलौज कर मारपीट करने के मामले में दर्ज अपराध में पुलिस ने पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को रविवार की दोपहर गिरफ्तार कर लिया है वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी 29 दिसंबर की दोपहर 1बजे कंकर मुंजारे के गाँव रोड स्थित निवास पहुंचे जहां लालबर्वा थाना प्रभारी और कोतवाली के बल के साथ उन्होंने मुंजारे समेत अन्य को हिरासत में लिया है उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पूर्व सांसद समेत चार लोगो पर मारपीट करने के मामले में लालबर्वा थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओ के तहत केस दर्ज किया था यंहा पुलिस ने पीडित नंदकिशोर पिता फूलचंद दशरिए 46वर्ष सुरजाटोला निवासी की शिकायत पर कार्रवाई की है बता दे कि इस मामले में सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोहगाँव धपेरा में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे सहजलाल उपवंशी दीपेश रनगिरि समेत प्रवीण नगपुरे पर एक राय होकर गाली-गलौज करने के आरोप लगाए गए थे जिसके आधार पर पुलिस ने पूर्व सांसद समेत अन्य लोगो के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को जांच में लिया था

इनका कहना है

लालबर्वा थाना क्षेत्र में धान खरीदी केन्द्र में मारपीट की घटना को लेकर एक शिकायत दर्ज हुई है इसमें शिकायत के आधार पर पूर्व सांसद समेत अन्य के विरुद्ध विभिन्न धाराओ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया था रविवार को कंकर मुंजारे को हिरासत में लेकर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया है

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

कार की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध घायल

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत लामता रोड पर बड़ी कुम्हारी मेन रोड में कार चालक ने साइकिल सवार वृद्ध को टक्कर मारकर घायल कर दिया घायल छतरलाल पिता रघु दमाहे 60वर्ष बड़ी कुम्हारी निवासी को उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती किया है अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार छतरलाल मिस्त्री का कार्य करता है जो बालाघाट से साइकिल में अपने घर जा रहा था तभी लामता रोड पर बड़ी कुम्हारी मेन रोड में कार चालक ने टक्कर मार दी टक्कर लगने से साइकिल सहित छतरलाल नीचे गिरकर घायल हो गया जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया है जहां पर उसका उपचार किया जा रहा है।

भोपाल पुलिस कमिश्नरेट अंतर्गत नववर्ष पर शहर की कानून व्यवस्था को मजबूत करने चलाया विशेष धरपकड़ अभियान

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

नववर्ष पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, कॉम्बिंग गश्त के दौरान करीब 1300 चाकूबाज,गुंडे बदमाशों की जांच, 120 पर कार्रवाई, सदिग्ध बदमाशों की जांच की गई जिनमें से 963 के खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई की गई।119 चाकूबाजों को खिलाफ कठोर कार्रवाई कर जेल भेजा गया, लगभग 81 व्यक्ति अधिक नशे में वाहन चलाते पकड़े गए। शराब पीकर हुड़दंग करने वाले 338 के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। भोपाल पुलिस नव वर्ष से पहले शहर में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विगत तीन दिनों से लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। शहर के 50 स्थानों को विशेष रूप से चिन्हित कर बारीकी से चेकिंग की जा रही है। असामाजिक तत्वों पर नजर रखने एवं कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस कार्यवाही का उद्देश्य त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना और अपराध पर अंकुश लगाना था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ये कार्यवाही नियमित रूप से जारी रहेंगी।



थानों में रखे अभिलेखों के डिजीटल इंटीग्रेशन हेतु पुलिसकर्मियों के लिए उन्मुखीकरण सत्र-दिशा का आयोजन



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

पुलिस कार्यप्रणाली को प्रभावशील बनाने एवं सुदृढीकरण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में तथा पुलिस उपायुक्त जोन-3 रियाज इकबाल के मार्गदर्शन में थानों एवं कार्यालयों के समस्त रजिस्टर अभिलेख के उचित डिजीटल इंटीग्रेशन हेतु जोन-3 के समस्त कार्यालयों एवं थानों के अधिकारी कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय उन्मुखीकरण सत्र-दिशा का आयोजन 27 एवं 28 दिसंबर 2024 को पुलिस कंट्रोल रूम में किया गया। सत्र में प्रशिक्षक में सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं स्त्रक्ररुसे सहायक उप निरीक्षक

द्वारा जोन-3 के सभी थाना प्रभारी, प्रधान आरक्षक लेखक, दिवस अधिकारी, मददगार, समस वारंट मुंशी, अरायज मुंशी, सीसीटीएनएस, कंप्यूटर ऑपरेटर दिवस अधिकारी, शिकायत शाखा प्रभारी, मालखाना एचसीएम को समस्त रजिस्टर अभिलेख का उचित संधारण एवं डिजीटल इंटीग्रेशन हेतु जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शालिनी दीक्षित ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए समस्त पुलिसकर्मियों को व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए थानों एवं कार्यालयों में रखे जाने वाले समस्त रजिस्टर अभिलेख को किस प्रकार से संधारित करना है एवं डिजीटल इंटीग्रेशन के सम्बंध में सारगर्भित मार्गदर्शन दिया गया।

देवरी पुलिस विभाग की बड़ी कार्यवाही 2 आरोपी एवं 8 फोरव्हील वाहन जप्त।

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

देवरी। देवरी थाने के अंतर्गत ग्राम सडरई मैं कुछ लोगों द्वारा जुआ खिलाया जा रहा था यह सूचना थाना प्रभारी जयदीप भदोरिया को मिली। थाना प्रभारी जयदीप भदोरिया ने एसडीओपी सुरेश कुमार दामले के नेतृत्व में एक टीम गठित की जिसमें प्रधान आरक्षक सुरेश शर्मा, आरक्षक मनीषा बट्टी, आरक्षक अभिषेक, आरक्षक लखन और आरक्षक प्रीतम सिंह लोधो को शामिल किया। इस टीम ने सडरई मैं खेल रहे जुआडियो को चारों तरफ से घेर लिया। जिसमें कुछ लोग पुलिस को देखकर भाग गए और केवल दो लोग ही पुलिस गिरफ्त में आए जिनके नाम सुनील और हल्के बताया जा रहा है। पुलिस पूछताछ में इन दोनों ने बताया कि राजा हीरालाल और सुनील यह मौके से फरार हो गए हैं। गिरफ्तार इन दोनों लोगों के साथ, पुलिस ने 8 फोर व्हीलर गाड़ियों को भी जप्त किया है। जिनसे जुआडी जुआ खेलने आए थे। और साथ ही पुलिस ने 400 रूपए की राशि जप्त की है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश जारी कर दी है। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस बड़े चेहरे होंगे।



रास्ता नहीं मिलने से कॉलिनामेदार की खेत में रखी धान की फसल बारिश से भीगी, लाखों रुपए का नुकसान

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार



उदयपुरा। रास्ता नहीं मिलने से खेत में कटी पड़ी धान की फसल ओले पानी से हुई चौपट/ नष्ट किसान को हुआ लगभग 8से10 लाख तक नुकसान ग्राम शोभापुर तहसील उदयपुरा जिला रायसेन में मयंक वा रीतेश कटियार एवम उनकी दादी की लगभग 9 एकड़ सिंचित कृषि भूमि श्री गोविंद ह्य/श हल्केवीर अहिरवार हाल निवासी उदयपुरा द्वारा उक्त भूमि कोली पर 25000 हजार रुपए एकड़ में ली गई थी जिसपर कोली क्रेता द्वारा खरीफ फसल धान लगाई गई थी धान कटने के बाद कुछ लोगों द्वारा इनके प्रचलित रास्ते बंद करदिए थे जिसे खुलवाने के लिए भूमि स्वामी मयंक कटियार द्वारा एसडीएम महोदय जी बरेली जिला रायसेन तहसीलदार महोदय उदयपुरा विगत 15 से 20 दिन पूर्व आवेदन रास्ता खुलवाने के लिए दिया एवम रास्ते की शिकायत सीएम हेल्प लाइन पर भी समय पर दर्ज करवा दी गई थी लेकिन सासन प्रशासन द्वारा समय पर अंतरिम रास्ता न खुलवाने से दिनांक 27/12/24 की रात्री वा 28/12/24 को दिनभर बेमौसम हुई वारिस से पूरी फसल खराब हो गई जिससे कोली क्रेता को लगभग 8 से 10 लाख की क्षति हो गई वा आगामी रवि फसल की बोवनी की संभावना भी नहीं है ऐसी परिस्थिति में किसान के ऊपर खाद बीज दवाइयों डीजल लेबर कोलीदाता वा बाजार सभी की मिलाकर लगभग 6 से 7 लाख का कर्ज की देनदारी है कोलीक्रेता के 3 बच्चे वा पत्नी एवम खुद के भरण पोषण ब सभी कर्ज की देनदारी सहित रुपए 1000000 की आर्थिक सहायता प्राकृतिक आपदा प्रबंधन कोष से दिलवाने की मांग श्री मान मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश/प्रधानमंत्री /केंद्रीय कृषि मंत्री महोदय भारत से की गई है।

नदारद रहने पर कलेक्टर ने जारी किए नोटिस

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट। धान उपार्जन केंद्र में अनुपस्थित रहने पर दो कृषि विस्तार अधिकारियों को शोकांज नोटिस जारी किए गए हैं बताते कृषि विभाग के कृषि विस्तार अधिकारियों को धान उपार्जन केंद्रों का नोडल अधिकारी बनाया गया है गत दिनों कलेक्टर श्री मीना ने लामता व परसवाड़ा क्षेत्र में धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया था इस दौरान दो नोडल अधिकारी केंद्र से अनुपस्थित पाए गए थे खरीफ विपणन वर्ष 2024/2025 में धान उपार्जन कार्य के लिये नोडल अधिकारियों की ड्यूटी धान उपार्जन केंद्रों में लगाई गई है जिसमें सेवा सहाकारी समिति मर्यादित समनापुर में नियुक्त नोडल अधिकारी राजेश्वर पाटिल एवं आदिम जाति सेवा सहाकारी संस्था लामता में नियुक्त नोडल अधिकारी लक्ष्मीचंद खांडेकर अनुपस्थित पाए गए जो कि उपार्जन कार्य में गंभीर लापरवाही व मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3का स्पष्ट रूप से उल्लंघन है जिस पर कार्रवाई करते हुए कलेक्टर श्री मीना ने शोकांज नोटिस जारी करते हुए दोनों ही नोडल अधिकारियों से अपना स्पष्टीकरण तीन दिवस के भीतर समय प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है समयावधि में स्पष्टीकरण प्राप्त न होने व संतोषप्रद न होने की स्थिति में मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966के नियम 9(2)(क)के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने की कार्रवाई की जाएगी।



कल जन्मदिन के अवसर पर आप समस्त शुभचिंतकों की शुभकामनाएं विभिन्न माध्यमों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त हुई 7 अनंत शुभकामनाओं एवं बधाई के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप सभी का स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन सदैव मुझे मिलता रहेगा।

संजेश गोलिया

छात्राओं ने जाने ग्राहक जागरूकता के सूत्र



नागेश नरवरिया, संवाददाता

मथुरा। जिला उपभोक्ता सूचना केंद्र एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ब्रज प्रान्त मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में ग्राहक जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में प्रबुद्ध विशिष्ट नागरिक एवं शिक्षाविद विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विचार विमर्श कार्यक्रम का मुख्य विषय था उपभोक्ता संरक्षण एवं महिलाओं की भूमिका। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ब्रज प्रांत के अध्यक्ष माननीय राजेंद्र वर्मा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शोषण मुक्त समाज का निर्माण करना ही हमारी संस्था का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हमारी अज्ञानता ही हमें शोषित बनाती है इसलिए हमें अपने ज्ञान में वृद्धि कर अपने को और समाज को जागरूक बनाना होगा। साथ ही निजी एवं जन समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रयास करके महिला सशक्तिकरण का प्रयास करना होगा। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने भी बह चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने प्रश्नों के माध्यम से नारी एवं उपभोक्ता की भूमिका में अपनी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान पाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार वाजपेयी जी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अपने महाविद्यालय में एक ग्राहक जागरूकता प्रकोष्ठ के निर्माण की सहमति भी प्रदान की। इस अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत (ब्रज प्रांत) के उपाध्यक्ष श्री सुभाष चौधरी एवं निखिल अग्रवाल, प्रसार अध्यक्ष श्री तेजवीर सिंह जी एवं सचिव भूपेंद्र सिंह जी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का आभार डॉ आरती पाठक ने किया। संचालन कनिका अग्रवाल ने किया। संयोजन मांडवी राठौर ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ निर्मल वर्मा डॉ मनोरमा डॉ सरिता, डॉ रचना, रोहित वाजपेयी आदि उपस्थित रहे।

रवि रजक बने सहायक वन संरक्षक और राजेश जाटव वन क्षेत्रपाल।

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार



रायसेन। कल राज्य सेवा आयोग द्वारा परीक्षा परिणाम जारी किया गया जिसमें रवि रजक सहायक वनसंरक्षक तथा राजेश जाटव भुसीमेंटा वन क्षेत्रपाल दोनों की शिक्षा जिला मुख्यालय पर संचालित उत्कृष्ट बालक छात्रावास रायसेन में हुई है परीक्षा परिणाम आने के बाद परिवार एवं मित्रों में खुशी छा गई इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक श्री पी0व्ही. सिंह गायकवाड प्रताप राठौरिया (मामाजी) राकेश गोयल मुकेश मालवीय, शकन मालवीय, प्रेम नारायण जाटव परसराम मालवीय यशोदा अहिरवार रामप्रसाद राज एवं पूर्व छात्र छात्रावास संघ के सदस्यों द्वारा भी ने उन्हें वधाई दी।

गोंड समाज को रोजगार, शिक्षा और गौडी संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध गोंड महासभा: प्रदेश अध्यक्ष



हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

उदयपुरा। नगर उदयपुरा में गोंड महासभा तथा उनके पदाधिकारी की संक्षिप्त बैठक रखी गई जिसमें स्थानीय सामाजिक लोगों ने भाग लिया और समाज की प्रगति और उनके उत्थान के लिए गोंड महासभा ने नई दिशा और ऊर्जा के साथ कार्य शुरू करने की बात कही। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने हालिया बयान में कहा कि गोंड समाज को

रोजगार, शिक्षा और उनकी गौरवशाली गौडी संस्कृति से जोड़ना महासभा का मुख्य उद्देश्य है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, "गोंड समाज के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना और गौडी संस्कृति को संरक्षित एवं प्रचारित करना हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर गोंड महासभा ने विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की जो की समाज के बीच जाकर जागरूकता का काम कर सके।

नए वर्ष के तीन माह में पश्चिम मप्र में पच्चीस नए ग्रिडों से बिजली

भोपाल। नए वर्ष 2025 के पहले तीन माह में पश्चिम मप्र के इंदौर सहित मालवा निमाड़ के विभिन्न जिलों में रिवेम्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत पच्चीस नए ग्रिड तैयार किए जाएंगे। इनसे बिजली वितरण भी प्रारंभ हो जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आदेशानुसार नए ग्रिडों को समय पर तैयार कर आम लोगों को गुणवत्ता से बिजली प्रदाय के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि जनवरी से मार्च-2025 तक तीन माह में 25 नए ग्रिडों को पूर्णतः तैयार कर चार्ज करने के आदेश दिए गए हैं। इन ग्रिडों में इंदौर जिले के गंगा डेम और गारी पिपलिया का 33/11 केवी का ग्रिड शामिल हैं। देवास जिले के शेरगुना और देवला बछाल गांवों में भी नए ग्रिड अगले तीन माह में तैयार हो जाएंगे, और उपभोक्ताओं को फायदा मिलने लगेगा। इसी तरह अन्य जिलों में भी आरडीएसएस के अंतर्गत नए 5 एमवीए क्षमता के नए ग्रिड तैयार हो जाएंगे। प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इन 25 ग्रिडों के समय पर तैयार कर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुख्य अभियंता श्री एसएल करवाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एससी वर्मा प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं, ताकि वित्तीय वर्ष के समापन यानि मार्च अंत तक इन ग्रिडों का शत प्रतिशत कार्य हो जाए। इन नए ग्रिडों को मिलाकर आरडीएसएस के तहत कंपनी क्षेत्र में कुल 80 नए ग्रिड होंगे। आरडीएसएस के तहत दिसंबर अंत तक जो ग्रिड तैयार होकर बिजली आपूर्ति कर रहे हैं। इंदौर शहर एवं इंदौर ग्रामीण क्षेत्र के ईमलीखेड़ा, बड़ियाकीमा बिचौली क्षेत्र, महेश्वर रोड गुलझेरा, राजोदा, सुपर स्पेशलिटी एमवाय के पास, देवास नाका, रसोमा विजय नगर के पास, जीत नगर बिलावली ग्रिड शामिल हैं।

नया साल नया संकल्प - मैं हम बनेंगे एक आदर्श नागरिक



भावना मंगलमुखी, मुंबई

साथियों मैं जब किसी विद्यालय में जाती हूँ तब विद्यार्थियों से अवश्य पूछती हूँ कि---- आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हो ? तब कुछ होशियार विद्यार्थी तो बोल देते हैं कि---- मैं डाक्टर बनूंगा, मैं इंजीनियर बनूंगा, मैं शिक्षक बनूंगा। इत्यादि। लेकिन बहुत सारे विद्यार्थी जिनका कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं होता, वे सिर्फ यह बोल देते हैं कि ---- हम एक आदर्श नागरिक या भला इंसान बनना चाहते हैं। फिर मैं उन्हें पूछती हूँ कि ---- आदर्श नागरिक या भला इंसान किसे कहते हैं ? तब वे पुनः चुप हो जाते हैं। इसलिए मैंने एक आदर्श नागरिक या भले इंसान की

विभिन्न कुछ खास विशेषताओं को लिपिबद्ध किया है। वे इस प्रकार है---

धार्मिक रूप से आदर्श व्यक्ति---

सदैव ऐसा मानता है कि मेरा ईष्ट प्रत्येक क्षण मेरे साथ ही है और वह मेरे प्रत्येक कार्य पर नजर रख रखते हुए कर्मानुसार ही फल देता है। अर्थात् भलाई और नेकी का नाम ही भगवान है। सभी संप्रदायों के ईष्ट एक ही है लेकिन अपनी - अपनी समझ, जानकारी व आदत के अनुसार अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। साम्प्रदायिक भेदभाव नहीं करता अपितु सर्वधर्म समभाव रखता है। पाखंड व अंधविश्वास में विश्वास नहीं करता है। प्रेम-परोपकार, दया-दान, सहिष्णुता और सहयोग इत्यादि में रूचि लेता है और इनका प्रचार - प्रसार भी करता है। इंसानियत को ही अपना धर्म समझता है और प्रत्येक प्राणी मात्र पर दया करता है।

सामाजिक रूप से आदर्श नागरिक कौन ?

*समाज में किसी के साथ भी किसी भी प्रकार भेदभाव नहीं करता है। *सबको समान दृष्टि से देखता है। *दुर्बल व दरिद्र पर दया करता है और उनको साथ व सहयोग देता है।

*समाज में प्रेम से रहता है और एक - दूसरे का सहयोग करता है।

*सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए सदैव तत्पर रहता है, साथ ही इसमें साथ व सहयोग भी प्रदान करता है।

आर्थिक रूप से आदर्श नागरिक कौन ? *सदैव आत्मनिर्भर होता है अथवा बनने का प्रयास करता है।

*सदा अपने कार्य के प्रति समर्पित रहता है। *सदैव ईमानदारी की कमाई करता है। *जमाखोरी, रिश्तखोरी व अवांछित ब्याज से परहेज करता है। *सदैव आय से कम खर्च खर्चा करता है। *लेनदेन का पूरा हिसाब-किताब रखता है। *उधार की चेष्टा नहीं करता और लिया तो समय पर लौटाता है। *पैसे का दुरुपयोग नहीं करता है।

नैतिक रूप से आदर्श नागरिक-----

*सदैव सभ्य भाषा का प्रयोग करता है। *प्रत्येक व्यक्ति विशेषकर बड़ों और नारीशक्ति का आदर करता है व किसी का अपमान नहीं करता है। *किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करता है। *किसी भी प्रकार के अपराध न तो स्वयं करता है और न ही किसी से अपराध करवाता है या अपराध करने की

प्रेरणा ही देता अपितु वह अपराध करने वालों को भी समझाता और आवश्यकता होने पर सजा भी दिलवाता है।

*अपना प्रत्येक कार्य समयानुसार करता है। *स्वानुशासन व शिष्टाचार का पालन करता है। *सदा सत्य व ईमानदारी के साथ रहता है। *अपने स्वास्थ्य व स्वच्छता का भी ध्यान रखता है। *पर्यावरण की भी रक्षा करता है व इस संदर्भ में भी लोगों को जागरूक करता है।

राजनैतिक रूप से आदर्श व्यक्ति-----

*संविधान व लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखता है। *अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सजग रहता है। *हमेशा अपने मताधिकार का प्रयोग करता है। *अपना मत जाति - धर्म या पार्टी के आधार पर नहीं अपितु योग्य उम्मीदवार को देता है। *हमेशा लोगों की समस्या को मुद्दा बनाता है और उनके समाधान हेतु प्रयास करता है। *रिश्त लेना और देना दोनों अपराध समझता है। *नेताओं की अंधभक्ति व चमचागिरी से दूर रहता है और वह अपना निर्णय अपने विवेकानुसार स्वयं करता है। इसी के साथ आप सभी का आज का दिन उज्जवल और मंगलमय हो। **विशेष-** इसे सिर्फ पढ़ने का तब तक कोई फायदा नहीं जब तक आप इसे व्यवहारिक तौर पर अपने जीवन में नहीं अपनाते।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

गल्फ़ के 6 देशों के बाल वैज्ञानिक भी होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का 4 दिवसीय आयोजन 3 से 6 जनवरी तक होगा। भारत के विभिन्न राज्यों के 700 से अधिक बाल वैज्ञानिक, शिक्षक और मेंटर्स इस आयोजन में भाग लेंगे। साथ ही बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात (६), कुवैत, ओमान और सऊदी अरब जैसे गल्फ़ देशों के बाल वैज्ञानिक भी अपनी प्रस्तुतियों के साथ शामिल होंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय "स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। यह कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने और उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान में नवाचार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के दौरान कई आकर्षक गतिविधियां और प्रदर्शनियां आयोजित होंगी, जिनमें चंद्रयान मिशन प्रदर्शनी, वॉटर रॉकेटरी, रोबोटिक्स, हाईड्रोपोनिक्स, पर्यावरण साँप-सीढ़ी, चीता संरक्षण प्रदर्शनी और वैज्ञानिक जागरूकता पर आधारित लोकगीत शामिल हैं। देश के प्रमुख वैज्ञानिक जैसे डॉ. चेतन सोलंकी (IIT मुंबई), डॉ. नंद कुमार (AIIMS दिल्ली), और डॉ. चैतन्य पूरी (IISER पुणे) छात्रों के साथ संवाद करेंगे। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (NCSC) एक राष्ट्रीय विज्ञान संचार कार्यक्रम है जिसकी शुरुआत 1993 में हुई थी। यह भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत संचालित एक मंच है, जो 10-17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, रचनात्मकता और नवाचार प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का उद्घाटन भी करेंगे। इस पहल से आम नागरिक घर बैठे खगोलीय अध्ययन कर सकेंगे, जो मध्यप्रदेश को खगोल विज्ञान के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगा। इसमें दो बच्चों का एक समूह मार्गदर्शक शिक्षक के साथ किसी स्थानीय समस्या का चयन करता है और वैज्ञानिक प्रक्रिया के माध्यम से उसका समाधान प्रस्तुत करता है। यह प्रक्रिया गहन अवलोकन, प्रश्न उठाने, मॉडल बनाने और प्रयोग के माध्यम से समाधान खोजने पर आधारित होती है। बाल विज्ञान कांग्रेस बच्चों में जिज्ञासा और खोज की भावना को प्रोत्साहित करती है, साथ ही उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचने और समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। यह कार्यक्रम उनकी कल्पना को साकार करने और उनकी रचनात्मकता को नए आयाम देने का एक उत्कृष्ट मंच है।

Happy New Year

2025

ज़िंदगी एक प्रवाह है, हर पल, हर घड़ी, हर दिन, हर महीना, हर साल नई चुनौतियाँ, नई उम्मीद लेकर आते हैं। आने वाला साल इस देश में रहने वाले समस्त देशवासियों के लिए नई उम्मीद, ढेरों खुशियाँ लेकर आए।

आप सभी को
नव वर्ष
की हार्दिक शुभकामनाएँ

अतर सिंह भारतीय
जन संपर्क अधिकारी
नेशनल हॉस्पिटल, भोपाल, मप्र
मो. 8109583277

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना से ग्रामीणों का बदला जीवन बदला

स्वास्थ्य, शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाओं में हो रही रुकावटें हुई दूर

सड़क बन जाने से सीधे तौर पर लाभान्वित हुए ग्रामीण जन

विदिशा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से विदिशा जिले की ग्रामीण आबादी को सड़कों से जोड़ा गया है। विदिशा जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सामान्य विकासखण्डों में 500 तक की आबादी के संपर्क विहीन सभी ग्रामों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जा चुका है। जिसके अंतर्गत जिले में 404 सड़कों का निर्माण किया गया है



जिनकी लंबाई लगभग 2000 किमी है। जिसके माध्यम से जिले में 910 ग्रामों को संपर्कता प्रदान हुई है जिसका सीधा लाभ जिले के दूरस्थ ग्रामों की लगभग 6 लाख से भी अधिक आबादी को हुआ है। अब में ग्रामीण क्षेत्र के रहवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर मूलभूत

और बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना - 3 के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के तृतीय चरण में अपग्रेडेशन (उन्नयन) हेतु मार्ग स्वीकृत हुये थे। जिसमें कुरवाई विकासखंड के टी-07 भौरासा से एसएच 19 कच्ची

कुम्हारिया वाया कलरयाई जिसके मार्ग की लंबाई 7.900 किलोमीटर है को अक्टूबर 2024 में पूर्ण कराया जा चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में ग्राम का सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से इस क्षेत्र के सभी ग्रामीणों को बहुत हद तक सहूलियतें प्रदान हुई हैं। आने-जाने में परेशानी कम हुई है साथ ही रोड बन जाने से ग्राम के विकास के द्वारा भी खुल गए हैं। ग्रामीण जनों को ग्राम से अन्य दूरस्थ क्षेत्रों में जाने अथवा बीमार व्यक्ति को शीघ्र अति शीघ्र चिकित्सीय सुविधाएं मिल सके इसलिए बीमार व्यक्ति अथवा गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य

एक सड़क जिसने बदला ग्रामों का जीवन :-

विदिशा जिला मुख्यालय से ग्राम कलरयाई, काछी कुम्हारिया 70 किमी दूरी पर स्थित है जो एमडीआर क्र. 07 से राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 346 के मध्य 08 किमी कच्चा मार्ग एवं दो बड़े नाले होने से ग्रामवासी विकासखंड कुरवाई एवं जिला मुख्यालय नहीं पहुंच पाते थे तथा उक्त ग्रामों से मुख्य मार्ग तक आने-जाने में लगभग 1.5 से 2 घण्टे का समय लगता था एवं वर्षाकाल में पहुंचना बहुत मुश्किल होता था। जिससे बीमार व्यक्ति के इलाज एवं गर्भवती महिलाओं के प्रसव हेतु सही समय पर इलाज ना मिलने के कारण जनहानि की संभावना बनी रहती थी। आजादी के बाद इस रास्ते पर पहली बार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत डामरीकृत सड़क लंबाई 7900 कि.मी. निर्मित होने से ग्राम कलरयाई, काछी कुम्हारिया जिसकी आबादी लगभग 1200 है वह सीधे तौर पर लाभान्वित होकर एक तरफ जिले की मुख्य सड़क (एमडीआर) एवं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ गये हैं।

संस्थाओं में पहुंचाने में भी यह

सड़क सुविधाएं प्रदान कर रही है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने दिया ज्ञापन

बेमौसम बारिश से किसानों की फसल नष्ट, सर्वे उपरांत मुआवजे की मांग

बाड़ी। बाड़ी क्षेत्र को धान का कटोरा कहा जाता है लेकिन मेहनत के अनुसार धान के दाम नहीं मिलने से किसानों की कमर टूट गई है किसान गुणा भाग लगाने के बाद मेहनत भी निकालना मुश्किल हो रही है लेकिन अन्नदाता सब कुछ सहन कर रहा है किस्मत पर नहीं मेहनत के आधार पर क्षेत्र का अन्नदाता कड़कड़ती ठंड में खेतों में बैठा हुआ है सो रहा है लेकिन वह हिम्मत और हौसले बनाए हुए हैं लेकिन 28 दिसंबर को बेमौसम बारिश ने किसान की हिम्मत को तोड़ दिया है हर समस्या से जूझने वाला किसान आज बेमौसम बरसात के सामने पूरी तरह बेबस नजर आ रहा है मौसम और कुदरत ने खेत में खड़ी फसल को चौपट कर दिया है खेत तालाब में तब्दील हो गए हैं जिससे किसानों की फसल गल रही है नष्ट हो गई इसको लेकर बाड़ी क्षेत्र का किसान ने शासन से उम्मीद लगाई है की उसे न्याय और मुआवजा मिले इसी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनीष ठाकुर के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं की उपस्थिति में एक ज्ञापन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम



तहसीलदार बाड़ी को दिया गया जिसमें किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री से मांग की है की फसलों का सर्वे कराया जाए और सर्वे उपरांत किसानों की फसलों के नुकसान की भरपाई हेतु उचित मुआवजा देने की मांग की है इस अवसर पर उदयपुर- भोजपुर क्षेत्र के जुझारू नेता ठा. युद्धवीर सिंह पटेल, ताराचंद साहू, सुनील शर्मा, पं. रामाधार शर्मा, राममोहन शर्मा, राकेश नाथ, आकाश पचौरी, गोविंद ठाकुर, मुकुल यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर तहसील कार्यालय में ज्ञापन दिया।

युवा पीढ़ी को श्री रामायण का पाठ करना चाहिए : वेदाचार्य जी महाराज

प्रतापगढ़ में कथा का हुआ विश्राम, पूर्व मंत्री ने की कथा श्रवण

रायसेन/सिलवानी। सिलवानी अंचल के ग्राम प्रतापगढ़ में श्रीराम चरित मानस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा था जिस के विश्राम दिवस पर पूर्व मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत ने कथा श्रवण कर, आरती पूजन की और साल श्रीफल भेंट कर जगत गुरु दिनेशाचार्य, वेदाचार्य पंडित रामकृपालू महाराज बीकलपुर से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री राम कथा का वाचन करते हुए वेदाचार्य जी ने कहा की युवाओं को श्री रामायण का पाठ करना चाहिए जिस से युवाओं की बुद्धि और सत्संग अच्छा रहे। **श्री राम चरित के अनुसार जीव को आचरण करना चाहिए मयार्दपूर्वक-** भगवान की भक्ति ही मनुष्य को पार लगा सकती है। इसलिए भगवान की भक्ति करना चाहिए और आने वाली पीढ़ी स्वयं भव से पार लग सके। श्री वेदाचार्य



जी ने कहा की राम राम की लूट है लूट सके तो लूट नहीं तो अंत काल में पछताएगा जब प्राण जायेगे छूट, कलयुग में भगवान राम का नाम ही सभी पापों से मुक्त कर देता है इसलिए नाम की बड़ी महिमा है नाम जप जरूर करे घर पर कीर्तन करें जिस से वातावरण शुद्ध बना रहे। भाजपा मंडल अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक पटेल सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी कथा श्रवण कर कथावाचक वेदाचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण



रायसेन। प्रति मंगलवार की भांति कलेक्टर कार्यालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। जिले की अन्य तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु कलेक्टर दुबे द्वारा वीसी के माध्यम से संबंधित एसडीएम और अन्य अधिकारियों को निर्देशित भी किया गया। जनसुनवाई में आए बाड़ी तहसील के ग्राम विसेर निवासी श्री अनिल सिंह ने कलेक्टर को आवेदन

देते हुए बताया कि उसकी ग्राम देहरीकलां में कृषि भूमि है। जिसे उन्होंने कोली पर दी है। लेकिन विपिन, विककी एवं रघुवीर सिंह निवासी विसेर और राघवेन्द्र सिंह निवासी घाटसेमरी द्वारा मुझे व मेरे कोलीदार को परेशान किया जा रहा है और कृषि कार्य नहीं करने दिया जा रहा है। मुझे व परिवार को जान माल का खतरा भी बना हुआ है। आवेदक अनिल सिंह ने बताया कि थाना प्रभारी भारकच्छ को भी आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कलेक्टर दुबे ने वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बरेली एसडीएम को अनिल सिंह के आवेदन पर शीघ्र कार्रवाई कर समस्या का समाधान कराते हुए अवगत कराने के निर्देश दिए।

रामलीला में रावण अंगद संवाद की आकर्षक प्रस्तुति

जब वाली पुत्र अंगद का पैर भी नहीं उठा सका लंका पति रावण

रायसेन। शहर के रामलीला मैदान में चल रही है ऐतिहासिक रामलीला में मंगलवार को स्थानीय कलाकारों द्वारा रावण अंगद संवाद की आकर्षक लीला का मंच के माध्यम से कलाकारों द्वारा सुंदर मंचन किया गया। प्रस्तुत की गई लीला के अनुसार रामा दल की ओर से बाली पुत्र अंगद को भेज कर रावण को समझाने के लिए कहा जाता है। इस प्रकार से अंगद रावण के पास पहुंचकर कहते हैं कि हे लंकापति रावण तुम अनीतिके मार्ग पर चल रहे हो इससे लगता है कि आखिरी दिन चल रहे हैं दिनों दिन अत्याचार पर अत्याचार किए जा रहे हो, लगता है तुम्हारी मति हर ली गई है परंतु तुम माता सीता को लौटाने तैयार नहीं हो रहे हो इसमें तुम्हारी भलाई नहीं है बल्कि तुम्हारा विनाश का समय आ गया है। इस प्रकार अंगद के वचन सुनकर लंका पति रावण को गुस्सा आ जाता है और कहता है कि सुनो अंगद तुम्हें जिसे यहां संधि करने के लिए भेजा है मैं तुम्हारी सुनने वाला नहीं हूं मुझे पता है कि तुम मुझे ज्ञान बांटने के लिए आए हो यह ज्ञान मुझे नहीं बल्कि तुम्हारे स्वामी राम को ही बताना यहां तुम्हारी नहीं चलेगी। हे वानर मैं तुम्हें ललकार कर कहता हूं कि जो तुम्हारे स्वामी से कह देना वह उनकी सीता को वापस नहीं देगे भले ही कुछ भी हो।



इस प्रकार से रावण और अंगद के बीच काफी देर तक आपस में संवाद होता है दोनों ही एक दूसरे किसी की सुनने को तैयार नहीं होते। इसी दौरान बाली पुत्र भरी सभा में प्रस्ताव रखता है कि अब सुन लो लंका पति रावण मैं तुम्हारी सभा के बीच अपना पैर जमा रहा हूं अगर तुम मेरे पर को उठा दोगे तो मैं तुम्हें बहुत बड़ा बलशाली मानूंगा तुम जैसा कहोगे मैं वैसा करूंगा। इस प्रकार से अंगद भरी सभा में पर जमा देता है इस दौरान रावण की सेना सहित लंका पति स्वयं रावण भी अंगद का पैर को नहीं उठा पाए। रामलीला मैदान में स्थानीय कलाकारों द्वारा इस रावण अंगद प्रसंग की

आकर्षक लीला के मंचन को देखकर दर्शक भी खुश नजर आए। रावण की भूमिका धर्मेन्द्र शर्मा और अंगद की भूमिका अभिषेक कुशवाहा ने निभाई।

आज लक्ष्मण शक्ति प्रसंग की आकर्षक लीला- रामलीला मेला समिति के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को रामलीला मैदान में लक्ष्मण शक्ति प्रसंग की आकर्षक लीला का मैदानी मंचन कलाकारों द्वारा किया जाएगा रामलीला मेला समिति के पदाधिकारीयो ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर धर्म का लाभ उठाने की अपील की है।



क्लीनिकल रिसर्च में हैं बेहतर संभावनाएं

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग अप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2031 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर

तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

योग्यता

क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

टेलेंटेड लोगों का एक बड़ा पूल और तमाम तरह के मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में अवसर

तेजी से बढ़ रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब अढ़ाई लाख से ज्यादा पद खाली हैं। वहीं योजना आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब 30 से 50 हजार प्रोफेशनल्स की कमी है। क्लीनिकल प्रोफेशनल्स की मांग और सप्लाई में भारी अंतर के कारण ही भारत में कई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू किए गए हैं। इसकी प्रमुख वजह यह है कि यहां प्रशिक्षित कर्मियों और प्रशिक्षण संस्थानों की बेहद कमी है।



अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस उद्योग में बहुत अच्छा वेतन मिलता है, जो सालाना 40 हजार डॉलर से लेकर एक लाख डॉलर तक होता है। भारत में शुरुआती सालाना सैलरी 1.8 लाख से लेकर पांच लाख रुपए तक होती है।

भारतीय डाक्टर अपनी प्रैक्टिस छोड़कर क्लीनिकल ट्रायल के क्षेत्र में उतरना नहीं चाहते, क्योंकि यहां डाक्टरी का पेशा ज्यादा सम्मानजनक माना जाता है। बहुत से डाक्टरों को क्लीनिकल ट्रायल और इसमें उपलब्ध अवसरों के बारे में पता ही नहीं है। मंदी के चलते फार्मास्यूटिकल कंपनियां नए प्रोजेक्ट्स हाथ में भले ही न लें, लेकिन जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उनको पूरा करने के लिए अभी भी बड़ी संख्या में कुशल प्रोफेशनल्स की जरूरत है। तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस

तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एग्जीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं।

वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एग्जीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। अगर आप क्लीनिकल आपरेशंस और प्रोजेक्ट के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो आपके पास लाइफ साइंस (खासतौर से फार्माकोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, बायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, फिजियोलॉजी) में डिग्री होनी चाहिए। इस क्षेत्र से जुड़े लोग ही सीधे तौर पर क्लीनिकल रिसर्च के लिए जिम्मेदार होते हैं। जिन लोगों का केमिस्ट्री या इंजीनियरिंग बैकग्राउंड है, वे क्वालिटी एश्योरेंस या नए कंपाउंड को डेवलप करने का काम कर सकते हैं। क्लीनिकल डाटा मैनेजर के रूप में काम करने के लिए आपके पास आईटी डिग्री होनी चाहिए।

वेतनमान

आजकल क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में रोजगार की बेहतर संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में योग्य प्रोफेशनल्स की मांग में भी वृद्धि हुई है। क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में एक फेशर का वेतनमान 25000 या इससे अधिक प्रतिमाह हो सकता है। यदि आपके पास मास्टर डिग्री है, तो वेतनमान दोगुना हो जाता है। निजी कंपनियों में अनुभव मायने रखता है और इस आधार पर आप आकर्षक वेतनमान प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थान

- इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला
- चित्तकारा यूनिवर्सिटी, बरोटीवाला
- मानव भारती यूनिवर्सिटी, सोलन
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- नेशनल इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेदिक फार्मास्यूटिकल रिसर्च, पटियाला
- दिल्ली आयुर्वेदिक चैरिटेबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जालंधर
- पंजाब टैबिनकल यूनिवर्सिटी, जालंधर
- पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़
- गुरु गोबिंद सिंह इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, बटिंडा
- इंस्टीट्यूट आफ क्लीनिकल रिसर्च, दिल्ली

कोर्सेज

- एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- बीएससी इन क्लीनिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी
- बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- एमएससी इन क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी
- पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च
- कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च



दो गज जमीन तक नहीं दी, कांग्रेस पर बरसे पीवी नरसिम्हा राव के भाई; सोनिया गांधी को भी घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद अंत्येष्टि और स्मारक को लेकर राजनीति शुरू हो गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीजेपी पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान कर रही है। जिस तरह अटल बिहारी वाजपेयी का अंतिम संस्कार हुआ था उसी तरह मनमोहन सिंह का भी जहां अंतिम संस्कार हो, वहीं स्मारक बनना चाहिए। इसपर लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की याद आ गई कि किस तरह से उन्हें दिल्ली में अंतिम संस्कार नहीं करने दिया गया। यहां तक कि उनके पार्थिव शरीर के लिए कांग्रेस मुख्यालय के दरवाजे भी बंद कर दिए गए। इसी को लेकर पीवी नरसिम्हा राव के भाई मनोहर राव ने कांग्रेस और सोनिया गांधी दोनों को घेरा है।

मनोहर राव ने कहा, पीवी नरसिम्हा के लिए सोनिया गांधी भी नहीं पहुंची। कांग्रेस के प्रधानमंत्री का निधन हो गया और वे हैदराबाद भी नहीं आ सके। उन्हें सोचना चाहिए कि पहले खुद को सुधार लें। निगम बोध घाट में किसी का भी अंतिम संस्कार हो सकता है। आप लोगों ने पीवी नरसिम्हा राव की एक प्रतिमा तक नहीं लगाई। इतने साल सत्ता में रहकर भी भारत रत्न नहीं दे पाए। आपने पूर्व प्रधानमंत्री को क्या सम्मान दिया क्या सम्मान किया। आप बोल रहे हैं कि मनमोहन सिंह का यह नहीं हुआ,



वह नहीं हुआ। जो हुआ अच्छा हुआ। उनकी कुछ प्रक्रिया है। वे ट्रस्ट वगैरह बनाकर देंगे।

उन्होंने कहा, इतने प्रधानमंत्री मरे लेकिन उन लोगों का नाम ही दिल्ली में नहीं है। मोदी ने प्रधानमंत्रियों को सम्मान दिया और एक ही जगह संग्रहालय बना दिया। इतनी जमीन दी। वहीं मनमोहन सिंह को भी जगह मिलेगी। आप प्रक्रिया तो पूरी करें। कांग्रेस वालों को यह अच्छा है या यह बुरा है। लेकिन हम तो सब देख रहे हैं। मोदी इसपर कुछ नहीं बोल रहे हैं और वह भारत के विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमारे भाई कांग्रेस में थे और हम भी कांग्रेस में हैं। मोदी जी ने उन्हें भारत रत्न दिया।

मनोहर राव ने कहा, दिल्ली में मनमोहन सिंह को हमने एक कार्यक्रम में बुलाया था। हमने उन्हें पीवी नरसिम्हा

राव सम्मान दिया। इन्हें गोल्ड मेडल दिया गया। मनमोहन सिंह के साथ हमारा बहुत नजदीक का रिश्ता था। हमारी बातचीत भी होती थी। हमको उनसे कोई दिक्कत नहीं है। 10 साल उन्होंने काम किया लेकिन उनके हाथ में कुछ नहीं था। वह स्वतंत्र होकर काम नहीं कर पाए। मनमोहन सिंह बहुत पढ़े लिखे शख्स थे। कांग्रेस वालों ने तो मुख्यालय का दरवाजा तक नहीं खोला था। इससे ज्यादा अपमान क्या हो सकता है। जो कुछ हुआ था उसपर मैंने दुख प्रकट किया है।

मनोहर राव ने कहा, मनमोहन सिंह के निधन पर मुझे गहरा दुख है। वह 10 साल प्रधानमंत्री थे। उससे पहले पीवी नरसिम्हा राव की कैबिनेट में वित्त मंत्री थे। उस वक्त उन्हें फ्री हैंड देकर वित्त मंत्री बनाया गया था। मनमोहन सिंह जी

उस जमाने में उस जमाने में बहुत परिवर्तन आए थे। उन्होंने हिम्मत से काम किया। प्रधानमंत्री और मनमोहन सिंह जी ने गुरु शिष्य की तरह काम किया। उस जमाने में और आज में जमीन आसमान का फर्क है। आज सब लोग यहां आकर ट्रेड करना और उद्योग लगाना पसंद करते हैं। तब से अब तक कोई नई नीति नहीं आई। बता दें कि 2004 में यूपीए की सरकार के दौरान ही पीवी नरसिम्हा राव का निधन हुआ था। उनका परिवार मांग कर रहा था कि उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही करवाया जाए और एक स्मारक बनवाया जाए। उस समय के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने परिवार को स्मारक बनवाने का आश्वासन देकर पार्थिव शरीर को हैदराबाद ले जाने को कहा। उनका परिवार मान गया लेकिन 10 साल के शासन के दौरान ना तो उनका स्मारक बना और ना ही भारत रत्न दिया गया। गौर करने वाली बात यह भी थी कि अन्य प्रधानमंत्रियों की तरह उनके शव को कांग्रेस मुख्यालय में भी रखने नहीं दिया गया था। जानकारों का कहना है कि गांधी परिवार नहीं चाहता था कि आर्थिक सुधारों का क्रेडिट पीवी नरसिम्हा राव को दिया जाए। इसके अलावा गांधी परिवार यह भी मानता था कि अयोध्या में बाबरी का ढांचा गिराने के पीछे उनकी भी मिलीभगत थी।

पुणे में भाजपा सांसद ने हरे रंग की दीवार को बनाया 'भगवा'; जमकर हो रहा बवाल



पुणे, एजेंसी। बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने महाराष्ट्र में नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। मेधा कुलकर्णी ने बीते शनिवार पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शहर में एक हरे रंग की दीवार को भगवा रंग से पेंट कर दिया। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भाजपा सांसद के इस कदम पर विपक्षी दल हमलावर हो गए हैं। वहीं भाजपा की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने दीवार को रंगने के पीछे यह तर्क दिया है कि दीवार को जान-बूझ कर हरा कर दिया गया था जो एक साजिश का हिस्सा है। ममता कुलकर्णी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर इस बात की जानकारी साझा की थी। उन्होंने इस पोस्ट के साथ दीवार को रंगने की कुछ तस्वीरें भी शेयर की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, कल एक व्हाट्सएप मैसेज वायरल हुआ कि सदाशिव पेठ में ज्ञानप्रबोधिनी स्कूल के बगल वाली गली को हरे रंग से रंगा गया है और वहां माला, फूल और अगरबत्ती जलाई गई है। मैं आज इसकी जांच करने गई थी। मैंने संग्राम ढोले पाटिल, संकेत मेहंदले, यशपाल जाधव की के साथ मिलकर दीवार को भगवा बनाया। हरे रंग पर भगवा रंग लगाना मजेदार था। भाजपा सांसद ने इसे एक साजिश का हिस्सा बताते हुए कहा, सिर्फ पुणे में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र सहित कई अन्य जगहों पर भी हाल ही में इस प्रकार की गतिविधियां बढ़ी हैं। ये स्थान पहले आकाश में छोटे थे, बाद में अचानक इन पर कब्जा कर लिया गया। आइए हम सतर्क रहें। उन्होंने आगे कहा, मेरा सभी से एक ही अनुरोध है एक जागरूक हिंदू के रूप में आइए हम अपने आस-पास जो हो रहा है उस पर ध्यान दें और एक्शन लें।

कब्रिस्तान के चौकीदार की गला रेतकर हत्या, सिजोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्ति गिरफ्तार

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में सिजोफ्रेनिया से पीड़ित एक व्यक्ति ने कब्रिस्तान के 67 वर्षीय चौकीदार की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर जरीपटका पुलिस थाना क्षेत्र के मेकोसाबाग इलाके में हुई जिसके बाद 39 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि हत्या के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि मृतक आरोपी के पिता का करीबी दोस्त था। जरीपटका पुलिस थाने के एक अधिकारी ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि आरोपी की पहचान अनोन मिथिला प्यारेजी के रूप में हुई है, जो मोटरसाइकिल से कब्रिस्तान पहुंचा था। उसने रमेश लक्ष्मणराव शिंदे से बात की और फिर कुछ ही मिनटों में थारदार हथियार से उसका तौर पर उसका गला रेत दिया, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गया। अधिकारी ने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया तथा उसकी पिटाई की और बाद में उसे जरीपटका पुलिस के हवाले कर दिया गया। उन्होंने बताया कि रमेश लक्ष्मणराव शिंदे का बुरी तरह से खून बह रहा था जिसके बाद उसे मेयो अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

जजों के रिश्तेदार नहीं बनेंगे जज! कॉलेजियम में नाम आगे न बढ़ाने पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर ऐसी धारणा अकसर बनाई जाती रही है कि पहली पीढ़ी के वकीलों को चयन प्रक्रिया में तबज्जो नहीं दी जाती। इसकी बजाय ऐसे लोगों को जज के तौर पर प्रमोट किया जाता है, जो दूसरी पीढ़ी के वकील हों और उनके परिजन पहले से जज हों। अब इस धारणा को खत्म करने की पहल कॉलेजियम की ओर से हो सकती है। अब कहा जा रहा है कि कॉलेजियम ऐसे लोगों के नामों को आगे बढ़ाने से परहेज करेगा, जिनकी परिजन या रिश्तेदार पहले से हाई कोर्ट या फिर उससे उच्चतम न्यायालय के जज हों। यदि ऐसा हुआ तो फिर जजों का चयन करने वाली कॉलेजियम की प्रक्रिया में यह बड़ा बदलाव होगा। बता दें कि जजों में ऐसे लोगों की बढ़ी संख्या है, जिनका कोई

फैमिली मेंबर या फिर रिश्तेदार पहले भी लीगल प्रोफेशन से जुड़े रहे हैं।

जानकारी मिली है कि कॉलेजियम में शामिल कुछ जजों का ही प्रस्ताव था कि ऐसे लोगों के नामों को आगे न बढ़ाया जाए, जिनके परिजन या रिश्तेदार पहले से जज हैं या फिर रह चुके हैं। इस बारे में जब मंथन हुआ तो यह बात भी उठी कि इस तरह का फैसला लेने से तो कुछ ऐसे लोग भी छंट जाएंगे, जो योग्य हैं। इस पर कॉलेजियम में ही दलील दी गई कि ये लोग एक सफल वकील के तौर पर अच्छी जिंदगी गुजार सकते हैं। इन लोगों के पास पैसे कमाने के अवसरों की भी कमी नहीं होगी। भले ही कुछ लोगों के लिए यह नुकसानदायक होगा, लेकिन व्यापक हित में यह फैसला गलत नहीं है। कॉलेजियम की ओर से खुद ही इस तरह का फैसला लेना मायने रखता है क्योंकि



सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने 2015 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को खारिज कर दिया था।

इस संस्था के गठन से जुड़े कानून को सरकार ने संसद से सर्वसम्मति से पारित करा लिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक लगा दी थी। ऐसे में अब कॉलेजियम की ओर से खुद ही जजों की नियुक्ति प्रक्रिया सुधार का प्रस्ताव लाना अहम है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में तब हड़्द को खारिज किया गया था, तब उसका पक्ष रखते हुए एक वकील ने परिवारवाद वाली दलील दी थी। वकील का कहना था कि ऐसी भावना लोगों के मन में है कि कॉलेजियम सिस्टम में जज ही जज को चुनते हैं। यह ऐसा ही है कि आप मेरी पीठ खुजलाएं और मैं आपकी। इसके माध्यम से कई बार ऐसे लोग ही चुने जाते हैं, जिनके परिवारों के लोग पहले से

ही न्यायिक व्यवस्था में बैठे हैं। एक वकील ने कहा था कि ऐसे 50 फीसदी जज हाई कोर्ट में हैं, जिनके परिजन पहले से ही अदालत में थे।

माना जा रहा है कि उस धारणा को तोड़ने के लिए कॉलेजियम में बदलाव की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि अभी यह महज एक प्रस्ताव ही है। इस पर अमल होने में अभी वक्त लगेगा। बता दें कि कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना भी कई बार सरकार की ओर से की जाती रही है। इसके अलावा सिविल सोसायटी में भी कॉलेजियम सिस्टम की खामियों पर चर्चा होती रही है। गौरतलब है कि कॉलेजियम सिस्टम में एक और सुधार हाल ही में देखने को मिला है। अब कॉलेजियम में शामिल जज नियुक्ति से पहले संबंधित लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं और इंटरव्यू आदि लेते हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के नाम पर हरियाणा का गांव कार्टरपुरी, जिमी कार्टर की मां को भी था गहरा लगाव

चंडीगढ़, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का रविवार को निधन हो गया है। वह सबसे ज्यादा उम्र जीने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। 100 साल की उम्र में घर पर ही उनका निधन हुआ है। आपको जानकर हैरानी होगी की उनके नाम पर हरियाणा के एक गांव का नाम रखा गया है। इसे कार्टरपुरी के नाम से जाना जाता है। देश में आपातकाल हटने के बाद मोरारजी देसाई की सरकार में जिमी कार्टर भारत के दौरे पर आए थे। इस दौरान वह गुरुग्राम के दौलतपुर नसीराबाद गांव गए थे। लोगों ने उनका जमकर स्वागत किया और स्थानीय उपहार भेंट किए। उनके सम्मान में ही इस गांव का नाम कार्टरपुरी रख दिया गया था।

कार्टर सेंटर के मुताबिक 3 जनवरी 1978 को जिमी कार्टर और फर्स्ट लेडी रोजालिन कार्टर इस गांव में गए थे। वह भारत का दौरा करने वाले तीसरे राष्ट्रपति थे। उनकी मां लीलियान ने इ गांव में 1960 के दौरान काफी काम किया था। इसीलिए उनके सम्मान में गांव वालों ने इलाके का नाम ही कार्टरपुरी रख दिया।



कार्टर अमेरिका लौट गए लेकिन उस समय इस गांव से वाइट हाउस का कनेक्शन बरकरार रहा। 2002 में कार्टर को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया। कार्टर सेंटर के मुताबिक कार्टर पुरी में 3 जनवरी को छुट्टी रहती है। नसीराबाद गांव दिल्ली के करीब था और उनकी मां यहां जाया करती थी। इसीलिए जिमी कार्टर ने अपने दौरे के लिए इस गांव को चुना था। जिमी कार्टर ने 1978 में भारतीय संसद में भाषण भी दिया था। उन्होंने सत्तावाद के

खिलाफ अपनी बातें रखी थीं। कार्टर प्रशासन और भारत ने तकनीक, मानवीय सहायता, ऊर्जा और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में मिलकर काम किया। साल 2000 में दोनों देशों के बीच असेन्य परमाणु सहयोग पर राजी हुए। कार्टर ने 2 जनवरी 1978 को भारतीय दौरे के समय कहा था, भारत जिस संकट का सामना कर रहा है उसका अनुभव कई बार हमें भी होता है। विकसित होती इस दुनिया में इस तरह के संकट बढ़ रहे हैं।

दिल्ली में पड़ रही कड़के की ठंड, गिर गया पारा, उत्तर-पश्चिमी हवाओं से वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन दिनों पारा नीचे गिरता जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में पारा सामान्य से ऊपर रहा है। हालांकि ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने हवा की गुणवत्ता में सुधार किया है, जिससे लोगों के लिए सांस लेना थोड़ा बेहतर हो गया है। पारा गिरने से न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। ये सामान्य से चार डिग्री अधिक दर्ज हुआ है। एक दिन पहले ये तापमान 13 डिग्री सेल्सियस पर था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि मंगलवार को न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आने की संभावना है। ये तापमान सात डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। सोमवार को सुबह 8 बजे औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 179 (मध्यम) दर्ज किया गया, जबकि रविवार को शाम 4 बजे यह 225 (खराब) था, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ के कारण रविवार को उत्तर-पश्चिमी हवाएं वापस आ गईं, जिससे शुक्रवार और शनिवार को उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में बारिश हुई। निजी मौसम पूर्वानुमानकर्ता स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को भी तेज उत्तर-पश्चिमी हवाएँ चलने की उम्मीद है। इसके साथ ही साफ आसमान भी पारे को और नीचे गिराने में मदद करेगा। दिन भी काफी ठंडे रहेंगे और अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहेगा।



उन्होंने कहा कि 2 जनवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ के क्षेत्र में आने की उम्मीद है। सुबह 5:30 बजे हल्के कोहरे के कारण सफदरजंग में दृश्यता घटकर 600 मीटर रह गई, जो दिल्ली के मौसम का प्रतिनिधित्व करती है। रविवार को आईएमडी ने उत्तर-पश्चिम भारत के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति लौटने का अनुमान जताया था और एक जनवरी तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की थी। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, हालांकि दिल्ली में शीत लहर की संभावना नहीं है, लेकिन न्यूनतम तापमान में अभी भी 5-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।